आकाशवाणी केन्द्र शिमला
21.03.2026 / प्रादेशिक समाचार / 18:00बजे

मुख्यमंत्री–बजट

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज प्रदेश विधानसभा में वर्ष 2026–27 का आम बजट पेश किया। ये उनका लगातार चौथा बजट है। हिमाचल प्रदेश का वर्ष 2026–27 का बजट 54 हज़ार 2 सौ 98 करोड़ रुपये होगा और ये बजट वर्ष 2025–26 की तुलना में 3 हज़ार 5 सौ 86 करोड़ रुपये कम होगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि आरडीजी बंद होने के कारण बजट का आकर बीते साल की तुलना में कम हुआ है। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेश के गंभीर आर्थिक संकट को देखते हुए मुख्यमंत्री के वेतन का 50 प्रतिशत जबकि उपमुख्यमंत्री व मंत्रिमंडल के सदस्यों के वेतन का 30 प्रतिशत अगले 6 महीने के लिए अस्थायी रूप से स्थगित करने की घोषणा की। उन्होंने विधायकों का 20 प्रतिशत वेतन जबकि सभी निगमों, बोर्डों के अध्यक्षों, उपाध्यक्षो, सलाहकारों व राजनीतिक तौर पर नियुक्त पदाधिकारियों के वेतन का 20 प्रतिशत और मुख्य सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव और सभी प्रधान सचिवों का 30 प्रतिशत वेतन अगले 6 महीने के लिए अस्थायी रूप से स्थगित करने का ऐलान किया। इसी तरह सचिवों से लेकर विभागाध्यक्षों का 20 प्रतिशत वेतन भी अगले 6 महीने के लिए स्थगित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डीजीपी, अतिरिक्त डीजीपी के वेतन का 30 प्रतिशत जबकि आईजी स्तर से लेकर एसपी स्तर तक के पुलिस अधिकारियों का 20 प्रतिशत वेतन अगले 6 महीने के लिए स्थगित रहेगा। इसके अतिरिक्त वन विभाग में वन प्रमुख, पी.सी.सी.एफ. और एडिशनल पी.सी.सी.एफ का भी 30 प्रतिशत जबकि सी.सी.एफ, सी.एफ. व डी.एफ.ओ. स्तर तक के अधिकारियों का भी 20 प्रतिशत वेतन स्थगित रहेगा। इसके साथ ही ग्रुप–ए और बी के अधिकारियों के वेतन का 3 प्रतिशत हिस्सा अगले 6 महीने के लिए स्थगित कर दिया गया है, जबकि ग्रुप सी और डी के कर्मचारियों को वेतन बिना किसी कटौती के पहले की तरह मिलता रहेगा।

बजट घोषणा

मुख्यमंत्री ने आज अपने बजट भाषण में सभी वर्गों के लिए कई घोषणाएं कीं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को और सशक्त बनाने के लिए गाय के दूध का खरीद मूल्य 51 रुपये से बढ़ाकर 61 रुपये और भैंस के दूध का खरीद मूल्य 61 रुपये से बढ़ाकर 71 रुपये करने का ऐलान किया। सुखविंद्र सिह सुक्खू ने प्राकृतिक रूप से उगाई गई गेहूं का समर्थन मूल्य 60 रुपये से बढ़कर 80 रुपये प्रति किलो, मक्का का 40 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये, पांगी के जौ का समर्थन मूल्य 60 से बढ़ाकर 80 रूपये करने और हल्दी का समर्थन मूल्य 90 से बढ़ाकर डेढ़ सौ रुपए प्रति किलो करने की घोषणा की। उन्होंने अदरक को भी समर्थन मूल्य के तहत 30 रूपये प्रति किलो के हिसाब से खरीदने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल में एक लाख परिवारों को मुख्यमंत्री अपना सुखी परिवार योजना के तहत लाया जाएगा। उन्होंने इन परिवारों को 3 सौ यूनिट फ्री बिजली देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने इन परिवारों की महिलाओं को तीसरे चरण में 15–15 सौ रुपये प्रति माह देने की भी घोषणा की।

विपक्ष हंगामा

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा विधानसभा में बजट प्रस्तुत करने के आरंभ में ही उन्होंने आरडीजी बंद होने का जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने आरडीजी के मुद्दे को लेकर विपक्ष पर सरकार का साथ नहीं देने का आरोप लगाया। इस पर विपक्ष मुख्यमंत्री के कुछ शब्दों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए शोरगुल करने लगा। बाद में विपक्षी सदस्य नारे लगाते हुए सदन से बाहर चले गए। और ब्यौरे के साथ हमारे विशेष संवाददाता.....

डिस्पैच– शिमला में चल रहे विधानसभा के बजट सत्र के आज चौथे दिन विपक्षी दल भाजपा सदन के बाहर और अंदर सरकार पर हावी होता दिखाई दिया। मुख्यमंत्री द्वारा बजट भाषण शुरू करते ही आरडीजी बंद करने का ज़िक्र के दौरान कुछ शब्दों के इस्तेमाल पर विपक्षी सदस्य नाराज़ दिखे और इस पर कड़ी आपत्ति जताई। इस दौरान पूरा विपक्ष अपनी सीट पर खड़ा होकर शोरगुल करने लगा और बाद में सदन के बीचों–बीच नारे लगाते हुए पहुंच गया। भारी हंगामे के कारण मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को अपना बजट भाषण बीच में ही रोकना पड़ा। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने विपक्ष से अपनी सीटों पर जाने को कहा, लेकिन जब विपक्ष हंगामे पर अड़ा रहा तो विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। इस बीच पूरा विपक्ष सदन से बाहर चला गया। विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही फिर से शुरू कर दी, इस पर विपक्ष भी फिर से सदन में लौट आया और विधानसभा अध्यक्ष के फैसले का विरोध करने लगा। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानिया ने कहा कि वह अपने फैसले को रिव्यू कर सकते हैं, लेकिन जब विपक्ष नहीं माना तो उन्होंने मुख्यमंत्री को बजट भाषण फिर से शुरू करने को कहा। मुख्यमंत्री ने सदन के भारी हंगामे के बीच ही बजट भाषण शुरू कर दिया। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने व्यवस्था दी की मुख्यमंत्री द्वारा बजट भाषण में कहे गए आपत्तिजनक शब्द को कार्यवाही से निकाल दिया गया है। इसके बाद हंगामा शांत हुआ और मुख्यमंत्री ने अपना बजट भाषण फिर से पढ़ना शुरू किया।

रितेश कपूर आकाशवाणी समाचार शिमला.....

पीएम–ईद

ईद–उल–फितर का त्यौहार प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सामूहिक रूप से ईद की नमाज़ अता की और एक–दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी। चंबा के चौगान में ईद–उल–फितर के मौके पर हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मिलकर इस पर्व को मनाया और आपसी एकता की मिसाल पेश की। उधर सोलन की जामा मस्जिद में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद की नमाज़ अता की।